प्रस्तावनिका.

"राग प्रवेश" यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि जिनको थोड़ा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके मोंसदर नियम जिसके साथ आलाप तथा तानपलटा लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरू किया है. यह पुस्तक अनेक भागोंमें पूर्ण होगा. इन भागोंकी संख्या अभी निश्चय नहीं कर सक्ते है. इसके सब भाग यदि इकट्ठे हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंके आलाप तान सहित गाना सहज होगा. इसके नामसेंही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके मार्गको प्रकाशक है.

इस प्रथम भागमें केवल तीनही कल्याण रागमें एक एक गीत तालका प्रकाशित किया है और इसमें " [illegible] " इत्यादि शब्द लिखी है. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे प्राप्त करना हो, तो उसके लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे बनाये संकेत रीति चि (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए.

बंबई. इति शुभम्।

भवदीय

विष्णु दिगंबर.

गांधर्व महा विद्यालय.

गिरगांव सँडहर्स्टरोड, मुंबई.

ह्या विद्यालयांत गायनवादन (तबला, हार्मोनियम, दिलरुबा, सतार वगैरे) शिकविण्याची सोय उत्तम प्रकारची केली आहे. शिकविण्याच्या वेळां दररोज सकाळीं (स्टँ टा) ७ ते १० आणि सायंकाळीं ६ ते रात्रौ १० पर्यंत याप्रमाणे ठेविल्या आहेत

याशिवाय कुलीन स्त्रिया व मुलींसाठीं सकाळीं ७ ते १० व दुपारी ३ ते संध्याकाळीं ६ पर्यंत वेळ ठेविली असून त्यांस शिकविण्यास खास लेडी टीचर ठेविली आहे.

गायन वादनाचे जलसे:---प्रत्येक शनिवारीं रात्रौ ९॥ वाजतां व रविवारीं सकाळीं ९॥ वाजतां (स्टँ. टा.) होत असतात.

पुस्तकें---आमचे विद्यालयांत गायन वादनांची पुस्तकें विकत मिळतात.

वाद्यें---आमचे कारखान्यांत सर्व प्रकारचीं वाद्यें नवीन तयार होतात व जुनी वाद्यें दुरुस्त केलीं जातात.

मॅनेजर --गां. म. विद्यालय--मुंबई.

राग जैमिनी कल्याण

इसमें केवल दो मध्यम लगते है एक शुद्ध दुसरा तीव्रतर, शुद्ध मध्यमके वास्ते निशानी होगी.

आलाप.

तार	स
मध्य	रि ग म ध नि नि नि ध म प ऽ रि
मन्द्र	नि

ता . न न न त त र न री . . द

तार		
मध्य	स ऽ रि • ऽ	
मन्द्र	ध नि	

ना त न त :

तार	स़ स़ स़ स़ स़ रि़ स़ स़	
मध्य	प़ ध़	ध़ नि़
मन्द्र		

र स म झे न हीं स म झ त बा .
३ २ १

तार	स स़	
मध्य	ध़ ध़ नि़ ध़ प़ प़ • म ग रि़ ग़	ऽ
मन्द्र		

र बे र को . न क हे . ए क बे
२ ३ २ १

तार		
मध्य	रि़ स़ रि स स़ स रि़	
मन्द्र	नि़ ध़ नि़ ध़ नि़	

र क हे दी नी को . न क हे य ह
२ ३ २

तार		
मध्य	ग ग ग रि	
मन्द्र		

बा र बा र
१ २

तार		
मध्य	स रि ग प रि ग रि स · ४	ग ग
मन्द्र	नि	

अ ब गु न न की . जी ये गु नी
३ २ १

तार	
मध्य	रि ग रि · ५ स रि ग प रि ग रि
मन्द्र	नि

स . न अ ब गु न न की . जी
१ ३ २

तार		
मध्य	सु ० ४	सु रिं गु पु रिं गु रिं ० ४ सु रि
मन्द्र		नि

ये गुनी . . म . न अ व गु

१ २ ३

तार		
मध्य	गु पु रिं गु रिं सु ० ४	नि धु मु पु रिं गु
मन्द्र		

न न की . जी ये गु नी . . म .

२ १ २*

तार	
मध्य	रिं ० ४ सु रिं गु पु रिं गु रिं सु ० ४
मन्द्र	नि

न अ व गु न न की . जी ये

३ २

तार	स सससरिसस	
मध्य	गगपप ध	
मन्द्र		

ब डी बे र स म झे न ही स म झ त

१ २ ३ २

तार	स ससस स	
मध्य	गगपप ध	गगप
मन्द्र		

ब डी बे र स म झे न ही . ब डी बे

१ २ ३ २ १ २

तार	स ससस	स स
मध्य	प ध नि	गगपप ध
मन्द्र		

र स म झे न ही . ब डी बे र स म झे

३ २ १ २

तार	स स स रि ग रि स ४	
मध्य	ध नि नि	स
मन्द्र		नि

न ही . . . . अ ब
२

तार		
मध्य	रि ग प रि ग रि स ० ४	रि
मन्द्र		ध नि नि

गु न न की . जि ये . . . .
३ २ . १

तार	
मध्य	स ० ४ स रि ग प रि ग रि स ० ४
मन्द्र	नि

. अ ब गु न न कि . जि ये
२ ३ २

तार	
मध्य	रि ग म प रि ग रि ०४ स रि ग प
मन्द्र	नि नि

आ . . . . . अ व गु न न
१ २ ३

तार		
मध्य	रि ग ० रि ग म	ध नि ० ध म प रि ०४
मन्द्र	नि	

की . आ . . . .
२ १ २

तार	
मध्य	स रि ग प ० रि ग म ध नि नि
मन्द्र	नि नि

अ व गु न न आ . . . . . .
३ २

तार	रि ग	४ रि
मध्य	रि ग म ध नि	नि नि ध
मन्द्र	नि	

आ . . . .

२ १

तार	
मध्य	म प • रि • ४ स रि ग म ध नि
मन्द्र	नि नि

. . अ ब आ . . . . . .

२ ३

तार	स रि ग म प रि	रि
मध्य		नि नि • ध म प •
मन्द्र		

. . . .

४ १

तार		सु
मध्य	रिगुरिसु · ४	रिगुमुधनि
मन्द्र		नि

की . जी य आ . . . . . .

२ १

तार	
मध्य	निधुपुमुगुरिसु सुरिगुपरिगु
मन्द्र	नि

. . . . अ व गु न न की .

२ ३ २

तार		सुरिसु
मध्य	रिगुमु	धुनि निधुप
मन्द्र	९ नि	

आ . . . .

१

तार	
मध्य	म ग रि स • ४ स रि ग प ९ रि ग
मन्द्र	नि नि

• • • • • अ व गु न न आ • •
२ ३ २

तार	स रि	ग रि स
मध्य	म ध नि	नि ध प म ग
मन्द्र		

• • • • • • • • • • • •
१

तार	
मध्य	रि स ४ स रि ग प रि ग रि स • ४
मन्द्र	नि

• • अ व गु न न की • जि ये
२ ३ २

तार		
मध्य	* रि ग म ध नि १ नि	ध प म ग म
मन्द्र	नि	

अ व गु न न की जी ये . . . गु
१ २ ३ २ १

तार	स स . रि स . ४
मध्य	ध नि नि ध नि नि
मन्द्र	

नि स न का . जा . . ने गु
१ ३ २

तार	रि ग रि	स ४ स स रि ग म प रि
मध्य	नि	
मन्द्र		

न की सा . . र औ . . . . .
१ २

तार		
मध्य	रि ग रि	ग म ग म प म प ध प
मन्द्र	नि	

आ

१ २

तार	स स रि स रि ग ग
मध्य	नि ध नि नि
मन्द्र	

३

तार	रि स रि स स	
मध्य	नि नि ध नि ध प	ध प
मन्द्र		

२ १

तार	
मध्य	ग म ध म प स ग म ग रि ग रि स रि
मन्द्र	

गु न की सा . र औं . र गु नी गु नी .

२

तार	स रि ग रि स
मध्य	स ॅ रि ग म ध नि
मन्द्र	नि नि

जा ने गु न की . . . . सा

१ २

तार	
मध्य	नि ध प म ग रि म स रि ग प रि ग रि
मन्द्र	नि

. . . . . . र अ ब गु न न की . जी

३ २

तार		सं सं सं सं
मध्य	स · ऽ	ग ग प प ध ध नि
मन्द		

ये ब ही वे र स म क्षे न ही . .

१ २ ३ २

तार	स रि ग रि ग रि	स रि स
मध्य		नि ध प म
मन्द		

. - . . . .

१

तार	
मध्य	प ध म प म ग म प ध नि · ऽ नि · ऽ
मन्द	

. . . .

२ ३

तार	स॒॰ऽ	स॒ स॒ स॒
मध्य	नि॒॰ऽ	ग॒ ग॒ प॒ प॒ ध॒
मन्द्र		

. . षडी बे र स म ञ्झे न

२ १ २ ३

तार	म॒ स॒ रि॒ स॒ स॒	स रि ग रि स रि
मध्य		ध नि
मन्द्र		

डी स म झ त .

२ १ २

तार	स
मध्य	नि ध प म प ध म ऽ प॒॰ऽ ध॒॰ऽ
मन्द्र	

३ २

तार	सं रिं • ४	सं
मध्य	ग म प ध नि	ग ग प प
मन्द्र		

ब डी बे र स

२ १ २

तार	सं सं सं सं रिं सं सं	सं
मध्य	ध	ग ० ० प
मन्द्र		

म झे न ही स म झ त ब डी बे र स

३ २ १

तार	सं सं सं सं रिं सं सं	सं सं
मध्य	ध	ध नि ध
मन्द्र		

म झे न ही स म झ त बा . र बे र

२ ३

तार		
मध्य	धु नि धु पु पु • मु गु रि गु	४ रि सु
मन्द्र		नि

को • न क हे • ए क बे र क हे

२ १

तार	
मध्य	रि सु • ४ सु सु रि गु रि गु
मन्द्र	धु नि धु नि

दी नी को • न क हे ब ह बा र बा

२ ३

तार		
मध्य	रि सु रि गु पु रि गु रि सु • ४	रि
मन्द्र	नि	नि

र अ ब गु न न की जि • ये आ •

२ १

तार	सु रि गु म गु रि स
मध्य	गु म धु नि नि धु
मन्द्र	

. . . .

२

तार	
मध्य	पु मु गु रि सु ऽ सु रि गु पु रि गु रि
मन्द्र	नि

. . . . . . अ ब गु न न की . जी

३ २

तार		सु रि गु पु
मध्य	सु - ऽ	रि गु मु धु नि
मन्द्र		नि

ये आ . . . .

१ २

तार	म ग रि स
मध्य	नि ध प म ग म प ध नि
मन्द्र	

. . . .

३

तार	म रि ग रि स	
मध्य	नि ध प म	ग म प ध नि
मन्द्र		

. . . .

२ १

तार	म
मध्य	नि ध प म ग रि स ॰ ४ स रि ग
मन्द्र	नि

. . . . अ व गु न

२ ३

तार		
मध्य	प़ ऱि ग॒ ऱि स़ • ४	
मन्द्र		

न कीं . जी ये

२

Musical Instruments for Sale.

Instrument	Price
Single Hand Harmonium from	Rs. 30 to 75
Double-reed Hand Harmonium ...	60 to 250
Folding Harmonium	100 to 500
Sitar	15 to 75
Tambura	25 to 150
Tambura box	12 to 35
Dilruba	20 to 75
Tabla pair	12 to 50
Mridang	15 to 40
Flute	1-4 to 15
Jal-tarang	8 to 12

Manager.

G.M. Vidyalaya. Workshop.

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न. ॥

राग प्रवेश.

द्वितीय भाग.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय—बंबई द्वारा रचित.

सन १९२१.

द्वितीयावृत्ति] प्रती १००० [मुल्य १२ आना.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, सँडहर्स्ट रोड-बंबई.

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम) को
समझने के लिये संगीत तत्वदर्शक को पढ़ना चाहिये.

प्रस्तावनिका.

"राग प्रवेश" यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि जिनको थोडा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके आधार किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान देनेमें सुगमता होने इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरू किया है. यह पुस्तक अनेक भागोमें पूर्ण होगा. उन भागोंकी संख्या अभी नियत नहीं कर सक्ते हैं. इसके सब भाग यदि कंठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सहज होगा. इसके नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है.

इस द्वितीय भागमें केवल भैरवी रागमें एक गीत तीनताल का प्रकाशित किया है और इसमें "प्लावित, स्फुरित, आंदोलित, [illegible], [illegible]" इत्यादि गमक लिखी हैं. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो तो उसके लिए यह पुस्तक [illegible] बहोत उपयोगी वस्तु होगी. परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यहांके अंकन रीतिको (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए.

शुभम् ।

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

नाशिक १ आगस्ट १९२१.

राग भैरवी. तीनताल.

भज मन रामचरन सुखदाई ॥

जिहि चरणन से निकसी सुरसरी शंकर जटा समाई ।

जटा शंकरी नाम पन्यो है त्रिभुवन तारन आई ॥

जिहि चरणन की चरण पादुका भरत रह्यो लवलाई ।

सोई चरन केवट धोय लीने तब हरि नांव चलाई ॥

सोई चरन संतन जन सेवत सदा रहत सुखदाई ।

सोई चरन गौतम ऋपिनारी परश परमपद पाई ॥

दंडकवन प्रभु पावन कीनो ऋपियन त्रास मिटाई ।

सोई प्रभु त्रिलोक के स्वामी कनक मृगा संग धाई ॥

कपि सुग्रीव बंधुभय व्याकुल तिन जय छत्र फिराई ।

रिपु को अनुज बिभीपण निशिचर परशत लंका पाई॥

शिवसनकादिक अरु ब्रह्मादिक शेप सहस्रमुख गाई ।

तुलसिदास मारुत सुत की प्रभु निज मुख करत बडाई॥

राग भैरवी.

इसमें रिषभ, गंधार, धैवत और निषाद अतिकोमल. बाकीके सब शुद्ध स्वर.

आलाप.

तार	स
मध्य	स ग म प ध नि नि ध . प म
मन्द्र	नि

ना . न न न त त र न . री द्

तार		
मध्य	ग . रि स ९ स रि . ५	
मन्द्र	नि	

. न ना त न त

ताल तीनताल.
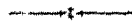
तार		
मध्य	सु प प म प ध प म ग रि स स ग म •४	रि ग रि स •४
मन्द्र		

भजमन . . रा . मच र न सु ख दा . . ई
२ ३ २ १

तार	•	रि सु सु सु
मध्य	४ धु म ध म ध ध नि •४	
मन्द्र		

. जि हि च र ण न में नि क सी सु
२ ३ २ १

तार	सु रि सु •४ सु सु सु सु रि ग ग रि सु
मध्य	ध
मन्द्र	

र स री शं क र ज टा . . . . . .
२ ३ २

तार	रि सु	सु
मध्य		नि धु धु पु ऽ॰ऽ गु प प पु पु नि
मन्द्र		

. स मा . . ई . ज टा शं क री . .
१ २ ३ २

तार	
मध्य	नि धु धु पु मु गु रि रि सु॰ऽ सु सु पु पु
मन्द्र	

ना . . म प न्यो . . है त्रि भु व न
१ २ ३

तार	सु		
मध्य	पु धु नि	नि धु धु पु मु ॰ऽ	सु पु पु
मन्द्र			

ता . र न आ . . ई . भ ज म
२ १ २

तार		
मध्य	म प ध प म ग रि स स ग म	रि
मन्द्र		

न . . रा . म च र ण मु ख दा
३ २ १

तार	
मध्य	ग रि स . ऽ स प प म प ध प म ग रि
मन्द्र	

. . ई भ ज म न . . रा . म च
२ ३

तार		
मध्य	स स स ग म	प ध प ऽ म ग . ऽ
मन्द्र	नि	

र ण आ . . . .
२ १

तार	
मध्य	स प प म प ध प म ग ॰ ४ स ग म
मन्द्र	नि

भ ज म न . . रा . म आ . . .
२ ३ २

तार		
मध्य	प ध नि	ध प ५ म ग ॰ ४ स प प म प
मन्द्र		

. . . . भ ज म न .
१ २

तार	स
मध्य	ध प म ग ॰ ४ स ग म प ध नि
मन्द्र	नि

. रा . म आ . . . .
३ २

तार	
मध्य	ᐟ नि ध ग म ग ᐟ स प प म प ध प म
मन्द्र	

. . . . . भ ज म न . . रा .
१ २ ३

तार	स	ग
मध्य	ग . ᐟ स ग म प ध नि	
मन्द्र	नि	

म आ . . . .
२ १

तार	स ᐟ
मध्य	नि ध प . म ग . ᐟ स प प म प
मन्द्र	

. . . . भ ज म न .
२

तार	सु गु सु मु गु
मध्य	धु सु गु मु पु धु नि
मन्द्र	नि

. आ . . . .
३ २

तार	सु	
मध्य		नि धु पु मु गु . ४ सु पु पु मु पु धु
मन्द्र		

. . . . भ ज म न . .
१ २ ३

तार		
मध्य	पु मु गु रि सु सु गु मु . ४	रि गु रि
मन्द्र		

रा . म च र न सु ख दा . .
२ १

तार	रि स स स स रि स • ॱ रि	स
मध्य		निधनि
मन्द्र		

नि क सी सु र स री ई . . . .
१ २ ३२ १

तार	स रि • स ऽ • ॱ
मध्य	ध म ध म ध ध नि • ॱ
मन्द्र	

. . . . जि हि च र न न से
२ ३ २

तार	रि स स स स रि स • ॱ स रि ग म म
मध्य	
मन्द्र	

नि क सि सु र स री ई . . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	स स ग म ॰ ४	रि ग रि स ॰ ४ १ ॰ प
मन्द्र		नि

र न सु ख दा . . ई भ
२ १ २ ३

तार		
मध्य	ग स म ग प म	ध प प ॰ ४ ध प नि
मन्द्र		

ज . . . . . . म न रा म च
२ १ २

तार		स
मध्य	ध प प ग प म ध प नि ध	नि ध
मन्द्र		

र न सु ख . . . . . . दा .
३ २ १

तार	रि स
मध्य	नि ध ध प म ग रि ग रि स ग म ॰ ४
मन्द्र	

म न रा . . म च . . . र न सु ख
३ २

तार	
मध्य	ग रि स रि स ॰ ४ स प प म प ध प म
मन्द्र	

दा . . . ई भ ज म न . . रा .
१ २ ३

तार		
मध्य	ग रि स स स ग म	प ध प म ग
मन्द्र	नि	

म च र न आ . . . .
२ १

तार	
मध्य	रि स . ४ स प प म प ध प म ग रि स
मन्द्र	

. . भ ज म न . . रा . म च र

२ ३ २

तार		
मध्य	स . ४ स ग स	प ध नि ध प म ग रे
मन्द्र	नि	

न आ . . . .

१

तार	
मध्य	स प प म प ध प म ग . ४ स ग म ग
मन्द्र	नि

भ ज म न . . रा . म आ . . . .

२ ३ २

तार	सा	
मध्य	ध नि	नि ध प म ग रि सा ॰ ४ सा
मन्द्र		

. . . . भ
१ २

तार	सा
मध्य	प प म प ध ९ सा ग म प ध नि
मन्द्र	नि

ज म न . . . .
३ २

तार	ग रि सा	
मध्य	नि	ध प म ग रि सा ४ सा प
मन्द्र		

. . . . भ ज
१ २

तार |

मध्य | प म प ध प म ग रि स स ग म रि ग रि

मन्द्र |

म न . . रा . म च र न मु ख द्वा . .

३ २ १

तार | रि

मध्य | स . ऽ ऽ ध म ध म ध ध नि . ऽ

मन्द्र |

ई जि हि च र न न नं नि

. २ ३ २ १

तार | स स स स रि स . ऽ

मध्य | ध म ध म ध ध

मन्द्र |

क लि सु र स री जि हि च र न न

२ ३ २

तार		स स रि स
मध्य	नि • ऽ	नि नि ध प म ग
मन्द्र		

से आ . . . .

१ २

तार	स ऽ
मध्य	म ध नि ध म ध म ध ध नि • ऽ
मन्द्र	

. . . . जि हि च र न न से

३ २

तार	रि स स स स रि स • ऽ स रि स
मध्य	नि ध
मन्द्र	

नि क सी सु र स री आ . . . .

१ २ ३

तार	सु	
मध्य	नि ध ध नि ध प म ध प म	ग प
मन्द्र		

. . . .

२ १

तार	
मध्य	म ग स ग रि स स ग म ध नि
मन्द्र	नि

. . . .

२ ✻

तार	सु ४	
मध्य	ध म ध म ध ध नि • ४	स प
मन्द्र		

. जि हि च र न न से भ ज

३ २ २

तार	
मध्य	प म प ध प म ग रि स स ग म • ४
मन्द्र	

म न • • रा • म च र न सु ख

३ २

तार	
मध्य	रि ग रि स • ४ ा ग ध प प • ४ ग प •
मन्द्र	

दा • • ई भ ज म न भ ज

१ २ ३

तार		
मध्य	म ध प प • ४	ग प • म ध प नि ध
मन्द्र		

• • म न भ ज • • • • म

२ १ २

तार	स
मध्य	प • ॅ ग प • म ध प नि ध नि ध
मन्द्र	

न भ ज . . . . . . म
३ २

तार	स	
मध्य	प • ॅ नि ध	ऽ नि ध प • ॅ ग प
मन्द्र		

न भ . ज . म . न . भ ज
१ २

तार	
मध्य	म ध प प • ॅ ग म ग प म ग रि • ॅ
मन्द्र	

. . म न भ ज . . . म न
३ २

तार	
मध्य	रि ग रि स स ग म प ध प म ग
मन्द्र	नि

आ . . . .
१ २

तार	
मध्य	रि स ४ ग · रि स स रि ग म
मन्द्र	नि

. . रा . म च र न सु ख
३ २

तार	
मध्य	ग रि स रि स · ४ स प प म प ध प म
मन्द्र	

दा . . . ई भ ज म न . . रा .
१ २ ३

तार	स	स स
मध्य	ग ९ स ग म प ध नि	नि
मन्द्र	नि	

म ए . . . . भ ज .
२ १

तार	स स स ग रि
मध्य	ध प म ग म ध नि ध
मन्द्र	

. . . . म न रा म च र
२ ३

तार	स • ४	स
मध्य	ध नि	नि ध ध प म ग स
मन्द्र		

न सु ख . दा . . ई . . भ
२ १ २

तार	
मध्य	प म प म प ध प • म ग रि स रि ग म
मन्द्र	

ज • म न • • रा • म च र न सु ख

३ २

तार	
मध्य	रि ग रि स • ४ स रि ग रि ग म ग म
मन्द्र	

दा • • ई • • • • • • • •

१ २

तार	स स रि
मध्य	प म प ध प ध नि ध नि नि
मन्द्र	

• • • • • • • • • • • • • •

३ २

तार	स	रि	ग	ग	रि	स	रि	स		स	
मध्य									नि		नि
मन्द्र											
	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
				१							

तार														
मध्य	ध	नि	ध	प	ध	प	म	प	म	ग	म	ग	रि	ग
मन्द्र														
	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
	२							३						

तार										स		
मध्य	रि	स		स	ग	म	प	ध	नि		नि	ध
मन्द्र			नि									
	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.	.
			२								१	

तार	
मध्य	प म ग रि स ऽ स प प म प ध प म ग
मन्द्र	

. . . . . भ ज म न . . रा . म

२ ३

तार		
मध्य	रि स स ग म	रि ग रि स • ऽ ऽ ध म ध
मन्द्र		

च र न सु ख दा . . ई जि हि च

२ १ २ ३

तार		रि स स स स रि स • ऽ स
मध्य	म ध ध नि • ऽ	
मन्द्र		

र न न से नि का सि सु र स री

२ १ २ ३

तार	रि स		स स	०
मध्य		नि ध प म प ग म ध नि		ध नि
मन्द्र				

२ १

तार	स स ०	स स • ४		
मध्य		ध नि		ध भ ध म ध ध नि • ४
मन्द्र				

जि हि च र न न से

२ ३ २

तार	रि स स स स रि स • ४ ग रि स रि स
मध्य	
मन्द्र	

नि क सि सु र स री

१ २ ३

तार	सॖ	T
मध्य	नि ध प म प ग म ध नि	ग म ध नि
मन्द्र		

२ १ २

तार	सॖ॰४	रि स स स स
मध्य	ध म ध म ध ध नि॰४	
मन्द्र		

जि हि च र न न से नि क सि सु र
३ २ १ २

तार	रि स॰४ स स सरिस
मध्य	धनि धनि धनि निध
मन्द्र	

स री
३ २

तार	स रि	ग रि स रि स	स रि ग म ग
मध्य	नि	नि ध नि	
मन्द्र			

१ २

तार	रि स रि स	स रि ग म प म ग म ग रि स रि
मध्य	नि ध नि	
मन्द्र		

३ २

तार	स	स स • ४
मध्य	नि ध नि ध प म प ग म ध नि	ध म ध
मन्द्र		

जि हि च

१ २ ३

तार		रि सु सु सु सु रि सु • ४
मध्य	म ध ध नि • ४	
मन्द्र		

र न न से नि क सि सु र स री

२ १ २

तार	रि स स स स रि सु
मध्य	ध म ध म ध ध नि
मन्द्र	

जि हि च र न न से नि क सी सु र स री

३ २

तार	सु सु सु सु
मध्य	ध नि नि ध प । ग प प प धनि
मन्द्र	

शं क र ज टा स मा . ई ज टा शं क री .

१ २ ३

तार		स
मध्य	ध प म ग रि स	स स प प प ध नि नि ध
मन्द्र		

ना म प न्यो . है त्रि भु व न ता . र न आ .

२ १ २

तार	
मध्य	प ग प ध नि ध प म ग रि स ग म ग रि स
मन्द्र	नि

ई भ ज म न रा . म च्च र न सु ख दा . ई आ

३ २

तार		स रि ग रि स
मध्य	स ग म	प ध नि नि ध प म ग
मन्द्र		

. . . .

१ २

तार		
मध्य	रि सु ग रि सु सु सु गु मु	रि ग रि सु ·ऽ सु पु
मन्द्र		

. . रा म च्च र न सु ख दा . . ई भ ज

३ २ १ २

तार		
मध्य	पु म प ध प मगु रि सु सुगुमु	रिग रिसु ·ऽ
मन्द्र		

म न . . रा . म च्च र न सु ख दा . . ई

३ २ १

ACADEMY OF INDIAN MUSIC
GANDHARVA MAHAVIDYALAYA

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर

आज तक जों किताब तयार कि हैं उनके नाम और किंमत.

	भाग	रु.	आ.	पै.
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत तत्वदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार.	१	०	८	०
संगीत बाल प्रकाश हिंदी और उरदू.	१-२	२	४	०
स्वल्पालाप गायन.	१-४	५	०	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू.	१	१	८	०
,, ,, द्वितीय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश.	१-१४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत.	१-२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी.		२	०	०
,, द्वितीय.		[illegible]		
राग भैरव.		[illegible]		
राग मालकंस.		[illegible]		
राग भूपाली.		[illegible]		
मृदंग और तबलेकी पुस्तक.		[illegible]		
सतारकी पुस्तक.	१-२	[illegible]		
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.		[illegible]		
भजनामृत लहरी.	१-५	[illegible]		
राम नामावली.		[illegible]		

इसके सिवाय श्रीयुत सुकथनकर कृत पद्यावलिया

मॅनेजर

गांधर्व महा विद्यालय सॅन्डहर्स्ट रो

राग प्रवेश.

तृतीय भाग.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय—बंबई द्वारा रचित.

सन १९२१.

द्वितीयावृत्ति] प्रती १००० [मुल्य १२ आना.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, सँडहर्स्ट रोड-बंबई.

प्रस्तावनिका.

"राग प्रवेश" यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि जिनको थोडा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोमें पूर्ण होगा. उन भागोंकी संख्या अभी नियत नही कर सक्ते है. इसके सब भाग यदि कंठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सहज होगा. इस्के नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है.

इस तृतीय भागमें केवल भूपाली रागमें एक गीत तीनताल का प्रकाशित किया है और इसमें " प्लावित, स्फुरित, आंदोलित, त्रिभिन्न, गद्गदित " इत्यादि गमक लिखी है. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो तो उस्के लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी. परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यहांके अंकन रीतिको (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए.

शुभम्।

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

तारीख १५ आगष्ट १९

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम्) को
समजने के लिये संगीत तत्वदर्शक को पढना चाहिये.

राग भूपाली.

इस राग मे मध्यम और निषाद वर्ज बाकीके सब शुद्ध स्वर.

आलाप

तार	स़ स़
मध्य	स़ रि़ ग़ प़ ध़ ध़ प़ ग़ रि़ स़ऽ स़ रि़ . ४
मन्द्र	ध़

ता . न न न त त र न री द ना त न त

तीनताल.

अस्थाई—जबसे तुमीसन लागली पीत नवे लरी प्यारे बलमा मोरे ॥

अंत्रा—जोनन देखो तोहे कलन पारे मोहे चर्चाकरे सब सहेलरी ॥ १ ॥

तार		
मध्य	ग़ रि़ ग़ रि़ रि़ स़ स़	स़ स़ रि रि़ ग ऽऽ
मन्द्र	ध़	

ज ब से . तु मी स न ला . . ग ली
३ २ १ २ ३

तार			सु॒ ॰ सु॒
मध्य	ग प गु॒	पु॒ धु॒ पु॒ पु ग रि स ऽऽ गु॒ पु॒ धु॒	
मन्द्र			

पी त न वे . . . ळ . री प्या रे ब . ल
२ १ २ ३ २

तार	सु॒ सु॒	
मध्य	पु॒ धु॒ ध प	गु॒ रि॒ गु॒ रि॒ रि॒ सु॒ सु॒
मन्द्र		धु॒

मा . . . मो रे ज ब से . तु मी स न
१ २ ३ २

तार	सु॒ सु॒ सु . सु॒ सु॒	सऽऽ
मध्य	T ॰ पु॒ पु॒ धु॒ धु॒	धु॒ धु॒
मन्द्र		

। जो . न न दे खो . . तो हे क ल
१ २ ३२ १ २

तार	स स स॰स रि स रि स	स स
मध्य	ध	ध प ऽऽ
मन्द्र		

न पा . . . रे . मो हे . . च .
३ २ १ २

तार	स॰ऽ	स रि स स
मध्य	ध प ग रि॰ऽ ग प ध॰ध	ध प॰ऽ
मन्द्र		

चँ क . . रे . स ब से हे . . . ल री
३ २ १ २

तार		
मध्य	ग रि ग रि रि स स	स॰ऽस स
मन्द्र	ध॰ऽ	ध॰

ज ब से . तु मी स न ला ला . ग
३ २ १ २

तार	
मध्य	रि.ऽ ग रि ग रि रि स स | स रि
मन्द्र	ध.ऽ | ध ध

ली ज व से . तु मि स न तु मि स न
३ २ १

तार	
मध्य	ग रि स रि .ऽ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध.ऽ

ला . ग ली ज व से . तु मि स न
२ ३ २

तार	
मध्य	स ध ध प ग स रि.ऽ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध.ऽ

तु मी स न ला ग लि ज व से . तु मि स न
१ २ ३ २

तार	स
मध्य	स ध प ग रि स ऽ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध ऽ

तु मि स न ला ग लि ज ब से . तु मि सन
१ २ ३ २

तार		
मध्य	ग रि ग रि रि स स	स रि ग प ध प
मन्द्र	ध ऽ	

ज ब से . तु मि स न आ . . . . .
३ २ १ २

तार	
मध्य	ग रि स ऽ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध ऽ

. . . ज व से . तु मि स न
३ . २

तार	सं॰
मध्य	स रि ग प ध ध़ प़ ग़ रि॰ ॰ ग़ रि़
मन्द्र	

आ . . . . ज व
१ २ ३

तार		स रि़ सं
मध्य	ग़ रि़ रि़ स ॰ स रि ग प	ध
मन्द्र		

से . तु मि आ . . . .
२ १

तार	
मध्य	ध़ प़ ग़ रि़ स॰ ग़ रि़ ग़ रि॰ स रि ग
मन्द्र	

. . . . . . ज व से . आ . .
२ . ३ २

तार	स॒॰४ स॒ स॒ स॒॰ स	स॒॰४ स स रि॒॰१॰४
मध्य	१प॒ ध॒	
मन्द्र		

. जो न न दे खो तो हे आ . .
१ २ ३ २ १ २

तार	रि स स स	स॒॰४ स॒ स॒
मध्य	ध॒ १॰ प ध॒॰	१प॒ ध॒
मन्द्र		

. . . . जो न न दे
३ ✻ २ १ २

तार	स॒॰स		
मध्य		ग॒ रि॒ ग॒ रि॒ रि॒ स॒ स॒	स॒ रि॒ ग॒
मन्द्र		ध॒॰४	

खो तो ज व से . तु मि स न ज व से
३ २ ३ २ १

तार	स स रि स ग रि | स
मध्य	रि ग प ग प ध ध |
मन्द्र	|

तु मि स न ला ग लि पी त न वे ल री प्या
२ ३ २ १

तार	स
मध्य	ध प ध ध प॰ऽ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध॰ऽ

रे ब ल्मा॰मो रे ज ब से॰ तु मि स न
२ ३ २ ·

तार	
मध्य	।स रि ग प ध ध प प ग रि स॰ऽ ग रि ग
मन्द्र	

। आ . . . . ज ब से
१ २ · ३

तार		स स
मध्य	रि रि स स	स रि ग प ध ध प पग
मन्द्र	ध • ४	

• तु मि स न   आ . . . .

२   १   २

तार		
मध्य	रि स • ४ ग रि ग रि रि स स	स रि ग
मन्द्र	ध • ४	

. .   ज ब से • तु मि स न   आ . .

३   २   १

तार	स रि रि स स
मध्य	प ध धपगरिस.४ ग रि ग रि
मन्द्र	

. . . . ज ब से .

२   ३

तार		सरिगगरिसस
मध्य	रि स •४ स रि ग प ध	ध प
मन्द्र		

तु मि आ . . . .
२ १ २*

तार	
मध्य	ग रि स •४ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध •४

. . . ज व से . तु मि स न
३ २

तार	स स स •स	स •४ स स स •४
मध्य	T •प ध	०प ध
मन्द्र		

। जो न न दे खो तो है . . जो न न दे खो
१ २ ३ ६ १ . २ ३

तार	स रि ग ग रि स	स
मध्य	प ध	ध ऽऽ प ध
मन्द्र		

जो . . . . न न दे खो जा न न
२ १ २

तार	स स . स	स . ऽ स ऽ . ऽ
मध्य		स रि ग प ध
मन्द्र		

दे खो लो हे . . आ . . . .
३ २ १ २ ३

तार	स . ऽ स स . ऽ	स रि स
मध्य	ध	ध . ऽ प ध
मन्द्र		

. . . .
२ १ २

तार	रि ऽ	स स रि स सरि ग
मध्य		ध॰ ४ प ध
मन्द्र		

. . ग ली . . . पी . . . .
२ २

तार	रि स स रि स	स
मध्य	ध॰ ४ प ध ध॰ ४	प
मन्द्र		

. त न वे . . . ल री . प्या रे
३ २ १

तार	स
मध्य	ध ध प रि स ॰ ४ ग रि ग रि रि स
मन्द्र	

. . . ब ल्मा मो रे . ज ब से . तु मि
२ २ २

तार		
मध्य	स	स रि ग प ग ॰ ४ प ध प ॰ ४
मन्द्र	ध ॰ ४	

स न जब से . . तु मी .
१ २ ३

तार	स रि	स स ॰ ४ स रि ग रि
मध्य	प ध ॰ ४ ध	प ध
मन्द्र		

स . न ला . ग ली पी . . . . .
२ १ २

तार	स स स रि स स
मध्य	ध ॰ ४ ध ॰ ध ॰ ध ध प ध
मन्द्र	

त . न . वे . . . . ल . री .
३ २

तार	स • ४	स स
मध्य		प ध ध प रि स • ४ ग रि ग
मन्द्र		

. प्यारे . . बलमा मोरे जब से

१ २ ३

तार		
मध्य	रि रि स स	स रि ग ग रि ग प प
मन्द्र	ध • ४	

. तु मि स न आ . . . .

२ १

तार	स स स रि रि स रि ग
मध्य	ग प ध ध प ध ध
मन्द्र	

. . . .

२ ३

तार	ग रि स स	
मध्य	ध प प ग रि	स रि ग प ध
मन्द्र		

. . . .

२ १

तार	स स
मध्य	ध प प ग रि स • ४ ग रि ग रि रि
मन्द्र	

. . . . ज ब से • तु

२ ३ २

तार		ग रि ग रि स स स स रि
मध्य	स स	ध
मन्द्र	ध • ४	

मि स न ज ब से तु मि स न ला ग ली

१ २

तार	सु सु सु सु
मध्य	धु पु पु धु पु पु गु रि गु रि रि
मन्द्र	

पी तन वे ल री प्या रे ब लमा ज ब सें . तु
३ २

तार		सु रि गु गु रि
मध्य	सु सु	सु रि गु पु धु
मन्द्र	धु . ऽ	

मि सन आ . . . .
१ २

तार	धु
मध्य	सु सु पु गुं रि गु रि गु रि रि सु सु
मन्द्र	धु.ऽ

. . . . ज ब सें . तु मि स न
३ २

तार	स
मध्य	स रि ग प ध ध प ग रि स ॰ ४ स रिग
मन्द्र	

। १ । २ । ३ । २

तार	स	स
मध्य	प ध	धपगरिस ॰ ४ सरिगपध ध प ग
मन्द्र		

। १ । २ । ३

तार		ग रि
मध्य	रि स ४ ग रि ग रि रि स स	
मन्द्र	ध ॰ ४	

ज व से ॰ तु मि स न । १
२

तार	ग प ग रि स स
मध्य	ध ध प ग प ध प ग प
मन्द्र	

। २ । ३

तार	
मध्य	ग रि स . ऽ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध . ऽ

ज ब से . तु मि स न
२

तार	
मध्य	स रि ग ऽ रि ग प ऽ ग प ध ऽ प ध
मन्द्र	

ज . . ब . . से . . तु .
१ २

तार	स ४ स रि४स रि ग ४ रि ग प प ग रि
मध्य	ध
मन्द्र	

. मि . . स . . न . . . ला .
३ २

तार	स स	स रि ग रि स
मध्य		ध प प ध ध प . ४ग
मन्द्र		

. . . . ग ली . पीत ज
१ २ ३

तार		ग ग रि.ऽ
मध्य	रि ग रि रि स स	ग गुरि.ऽ
मन्द्र	ध .४	

ब से . तु मि स न तु मी . स न .
२ १ २

तार	स रि ग ग रि.	
मध्य	स रि ग प ध	ग गरि.१
मन्द्र		

ला ग ली पी त न वे ल री . प्या रे .
३ २ १

तार	रि रि.४
मध्य	ग रि.४ ग रि ग रि रि स स
मन्द्र	ध.४

ब लमा मो रे ज व से . तु मी स न
२ ३ २

तार	स स रि ग प प ग रि स
मध्य	स रि ग प ध
मन्द्र	

आ . . . .
१ २

तार	स रि गग रिगगरि गगरि गगस
मध्य	ध प प ध
मन्द्र	

३ २

तार	रि रि स रि रि स रि रि स रि रि स स
मध्य	ध
मन्द्र	

१ २

तार	स स स रि रि रि ग ग रि स स
मध्य	पधधध धपध
मन्द्र	

३ २

तार	रिगरिसस सस
मध्य	धपध धपगरिस ४ गरि
मन्द्र	

. . . . जब
१ २ ३

तार		
मध्य	ग रि रि स स	ी ध ध प ध ध प प ग
मन्द्र	ध . ४	

से . तु मि स न . आ . . . .
२ १ २

तार		
मध्य	रि स ५४ ग रि ग रि रि स स	ी स रि
मन्द्र	ध . ४	

. . ज ब से . तु मि स न . .
३ २ १

तार	सु सु
मध्य	गु पु धु धु पु गु रि सु गु रि गु रि रि सु
मन्द्र	

. . . . ज ब से . तु मि
२ ३ २

तार		रि रि सु रि रि सु सु
मध्य	सु	धु पु पु गु रि
मन्द्र	धु . ४	

स न आ . . . .
१ २

तार		
मध्य	सु . ४ गु रि गु रि रि सु सु	सु रि गु
मन्द्र	धु . ४	

. ज ब से . तु मि स न आ . .
३ २ · १

तार	सु रि गु गु रि सु सु
मध्य	पु धु धु पु गु रि गु रि
मन्द्र	

. . . . ज ब

३

तार		प प ग प प ग रि स स
मध्य	ग रि रि स स	
मन्द्र	धु • ४	

से . तु मि स न   आ . . . .

२   १   २

तार	
मध्य	धु पु पु गु रि सु ४ ग रि ग रि • ४ स रि ग प धु
मन्द्र	

. . . . ज व ले . आ . . . .

३   २

तार	स स रि	ग प ध ध प प ग रि स स
मध्य		ध प प ग
मन्द्र		

. . . .
१ २

तार		
मध्य	रि स ग रि ग रि रि स स	स रि ग रि ग
मन्द्र	ध ॰ ऍ	

. . ज ब से . तु मि स न ज व से तु मि
३ २ १

तार	स स
मध्य	ग ग ग प प प प प प प ध प प ग रि ग
मन्द्र	

स न ला गली पी त न वे ल री प्यारे व ल्मा ज ब से
२ ३ २

तार		प ग प . ग रि स स
मध्य	रि रि स स	धप पध
मन्द्र	ध ४	

. तु मि स न ला . . ग . ली . . . . .

१ २

तार	स रि ग रि स स
मध्य	धपधप ग रि रि स स
मन्द्र	ध . ४

. . . . जब से . तु मि स न

३ २

टेलिफोन नं. ५९३१.

शिक्षण.

गांधर्व महा विद्यालय.

हेड ऑफिसः—सॅन्डहर्स्ट रोड,—**बम्बई.**

ब्रँच ऑफिसें:—लाहोर, नागपूर,

इस विद्यालय में गायनवादन (तबला, हारमोनियम, दिलरुबा, सतार, फिडल वगैरा) सीखने की उत्तम व्यवस्था है शिक्षण का समय प्रातःकाल (स्टँ. टा.) ७ से १० और सायंकाल को ३ से १० तक रखा गया है.

इस के अतिरिक्त कुलीन स्त्रियों तथा कन्याओं को सीखलाने के लिये खास प्रबंध है.

खानगी शिक्षणः—जिन सज्जन पुरुषोंके आपने खुद्दके घरमें संगीत शिक्षण लेनेकी इच्छा होय उनके लिये व्यवस्था हो सक्ती है.

पुस्तकेंः—गायनवादनकी उपयुक्त किताबें हमारे यहां मिलती है.

म्युझिकल पार्टीः—विवाह और शुभ अवसर पर गायन-वादन की पार्टी मिलती है.

मॅनेजर,

गांधर्व महा विद्यालय, बम्बई.

ACADEMY OF INDIAN MUSIC
GANDHARVA MAHAVIDYALAYA

संगीत शिक्षणकी क्रमिक पुस्तके.

इस विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर आज तक जों किताब तयार कि हैं उनके नाम और किंमत.

	भाग	रु.	आ.	पै.
महिला संगीत हिंदी.	१	०	२	०
महिला संगीत हिंदी.	२	०	४	०
संगीत तत्वदर्शक.	१	०	८	०
अंकित अलंकार	१	०	८	०
संगीत बाल प्रकाश हिंदी और उरदू.	१-३	२	४	०
स्वल्पालाप गायन.	१-४	५	०	०
संगीत बालबोध हिंदी और उर्दू.	१	१	८	०
,, ,, द्वितिय भाग.	२	१	०	०
राग प्रवेश.	१-१४	१२	८	०
व्यायामके साथ संगीत.	१-२	१	०	०
संगीत प्रथम भाग हिंदी.		२	०	०
,, द्वितीय.		३	०	०
राग भैरव.		२	०	०
राग मालकंस.		२	०	०
राग भूपाली.		२	०	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक.		१	०	०
सतारकी पुस्तक.	१-२	३	८	०
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत.		१	०	०
भजनामृत लहरी.	१-५	२	८	०
राम नामावली.		०	२	०

इसके सिवाय श्रीयुत सुकथनकर कृत पद्यावलिया मिलेंगी.

मॅनेजर

गांधर्व महा विद्यालय सॅन्डहर्स्ट रोड,—बम्बई.

राग प्रवेश.

चतुर्थ भाग.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय—बंबई द्वारा रचित.

सन १९२१.

द्वितीयावृत्ति] प्रती १००० मुल्य १ रुपया.

"गांधर्व बंबई.

ACADEMY OF INDIAN MUSIC
GANDHARVA MAHAVIDYALAYA

प्रस्तावना

"राग प्रवेश" यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि जिनको थोडा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोमें पूर्ण होगा. उन भागोंकी संख्या अभी नियत नही कर सक्ते है. इसके सब भाग यदि कंठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सहज होगा. इस्के नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है.

इस चतुर्थ भागमें केवल खमाज रागमें एक गति तीनताल का प्रकाशित किया है और इसमें " प्लावित, स्फुरित, आंदोलित, त्रिभिन्न, गद्गदित " इत्यादि गमक लिखी है. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो तो उस्के लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी. परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यहांके अंकन रीतिको (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए.

शुभम्।

भवदीय,

विष्णु दिगंबर पलुस्कर,

तारीख २५ आगष्ट १९२१.

हमारे यहां के लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम) को समजने के लिये **संगीत तत्वदर्शक** को पढना चाहिये.

राग खमाज.

इसमें दो निषाद लगते है एक शुद्ध दूसरा अतिकोमल निषाद अतिकोमलके वास्ते निशानी होगी बाकी के सब शुद्ध स्वर.

आलाप.

तार	स
मध्य	स ग म प ध ४नि ध म प
मन्द्र	नि

ता . न न न त त र न री द

तार	
मध्य	४ नि ध म ग प म ग रि स . ४
मन्द्र	

न . ना . त न न न ना

तीनताल.

अस्थाई—नंद नंदन चराहि गैया मुखहि बजावत बेनू धनी। यह ब्रिजबासिनके रेणू ॥ नंद नंदन चराहि गैया ॥

अंत्रा—मदन मोहनको ध्यान धरे जो। अतिसुख राखो चैन भटकत कहे मन और पुरीमो जहां कछु लेन न देन धनी यह ब्रिजबासिनके रेणू ॥ १ ॥

इहां रहोतो पावहो निसदिन ब्रिजबासिनके रेणू। सूरदास इहांके सरबर नही कलपवृक्ष सूरधेनू धनि यहा ब्रिजबासिनके रेणू ॥ २ ॥

तार		
मध्य	प॒ • ध॒ प॒ म॒ ग॒ म॒ ग॒ ग॒ • ऽ	ग॒ ग॒ म॒ रि॒ ग॒ म॒
मन्द्र		

नं द नं . . . द न   च रा हि गैं . .
३ २   १ २

तार	स॒ • ऽ
मध्य	ग॒ रि॒ स॒ ऽ स॒ म॒ ग॒ म॒ प॒ ध॒ नि॒
मन्द्र	

. या . मु ख हि ब जा . व त
३ २

तार	स॒ रि॒ स॒ रि॒ स॒ स॒ स॒
मध्य	नि॒ नि॒ ऽ नि॒ ध॒ • ऽ म॒ प॒
मन्द्र	

बे . . नु . ध नी य ह ब्रि ज बा .
१ २ ३ २

तार		सु
मध्य	नि धु नि धु पु	गु मु पु धु नि नि धु
मन्द्र		

. . . सीन के . . . . . रे .
१

तार		
मध्य	पु मु पु मु गु रि गु	प ० नि धु पु मु गु
मन्द्र		

. . . णु . . . नं द . न . .
२ ३ २

तार		
मध्य	मु गु गु .	गु ग मु रि गु मु रि सु गु मु
मन्द्र		

. द न चरा हि गै . . . या . म द
१ २ ३

तार	स स	स रि स
मध्य	धनि नि	नि नि नि नि धु
मन्द्र		

न मोह न को ध्या न ध रे . . ज्यों .
२ १ २

तार		
मध्य	म प नि ध प ग म ग	म नि ध नि
मन्द्र		

अ ति सु ख रा . . खो चै . . न
३ २ १

तार	स रि स रि ग स स
मध्य	नि नि नि ध प ध ध
मन्द्र	

भ ट क त क हे म न औ . . . र पु
२ ३ २

तार			
मध्य	ग रि ग	प • ध प ग म ग ग • ४	ग ग म
मन्द्र			

• • णु नं द नं • • द न च रा हि

३ २ १

तार	
मध्य	रि ग म ग रि स ४ प • ध प ग म ग ग • ४
मन्द्र	

गै • • • या • नं द नं • • द न

२ ३ २

तार	
मध्य	ग रि ग म • ४ प • ध प ग म ग ग • ४
मन्द्र	

आ • • • नं द नं • • द न

१ २ ३ २

तार	
मध्य	स ग म प ग म ॰ ४ प ॰ ध प ग म ग ग ॰ ४
मन्द्र	

आ . . . . . नं द नं . . द न

१ २ ३ २

तार	
मध्य	स रि ग म प म ध म प ग म ४ प ॰ ध प
मन्द्र	

आ . . . . नं द नं

१ २ ३ २

तार		
मध्य	ग म ग ग ॰ ४	ग ग म रि ग म ग रि स ४
मन्द्र		

. . द न च रा हि गै . . . या .

१ २

तार		
मध्य	स ग ॰ स ग म ग	स ग म ध प • प ग
मन्द्र		

आ . . . .
३ २ १ २

तार		
मध्य	म ग • ४ ॰ प ध प ग म ग ग • ४	स ग ॰
मन्द्र		

. . नं द नं . . द न आ .
३ २ १

तार	
मध्य	ग म प ऽ प ग म ग • ४ म ध प ४ नि ध
मन्द्र	

. . . .
२ ३ २

तार	
मध्य	प ग म ग • ४ प म • प ग • म रि • ग स •
मन्द्र	

• • • • • • • • • • • • • • •
१ २

तार		
मध्य	० प ध प ग म ग ग • ४	ग ग म रि ग म
मन्द्र		

नं द नं . . द न च रा हि यै . .
३ २ १ २

तार	स	स • ४ स
मध्य	ग रि स ४ ग म प ध नि ध •	
मन्द्र		

• या • आ • • • • • • • •
३ २ १

तार	रि सु सु
मध्य	नि ध ४नि · ध प ग ग · म ध प ४नि
मन्द्र	

. . . .

२ ३ २

तार		
मध्य	ध प · ग म ·	ग · ४ प ग म · ग रि स ·
मन्द्र		नि

. . . .

१ * २

तार		स
मध्य	० प ध प ग म ग ग · ४	ग म ध नि
मन्द्र		

नं द नं . . द न म द न मो ह

३ २ . ३ २

तार	सु ॰ ४	सु रि सु
मध्य	नि	९ नि नि नि ४ नि धु ॰ ४
मन्द्र		

न को ध्या न ध रे . . जो .
१ २

तार	सु सु॰४	सु सु
मध्य	गु मु धु नि नि	नि ४नि धु पु
मन्द्र		

म द न मो ह न को आ . . . . .
३ २ १ २

तार	सु सु॰४	सु
मध्य	मु गु ४ गु मु धु नि नि	नि॰ नि
मन्द्र		

. . म द न मो ह न को आ . .
३ २ . १

तार	सु रि॰	सु
मध्य	४ नि॰ धु पु मु गु ४ गु मु धु नि	
मन्द्र		

. . . . म द न मो ह

२ ३ १

तार	सु॰४	सु गु रि गु मु॰ गु॰ रि	सु॰४
मध्य	नि		नि
मन्द्र			

न को आ . . . .

१ २

तार	सु	
मध्य	४ नि॰ ध पु मु गु॰ सु ४ धु पु	४ नि धु मु
मन्द्र		

. . . .

३ २ १

तार	सं॰ सं ४ ४	सरिगसं॰
मध्य	४नि ध नि ध	प ध
मन्द्र		

. . . .
२ १ २४

तार	रि सं सं सं॰४
मध्य	४नि ध प स ग ग म ध नि नि
मन्द्र	

. . . . मदन मोहन को
३ २

तार		
मध्य	प॰ध प ग म ग ग॰४	ग ग म रि ग म
मन्द्र		

नं द नं . . द न च रा हि गै . .
३ २ १ २

तार	
मध्य	ग रि स . प . ध प ग म ग ग .
मन्द्र	

. या . नं द नं . . द न
३ २

तार	
मध्य	प म प म ग स रि प ध प म ग म ग ग .
मन्द्र	

च रा हि गै . या . नं द नं . . . द न
१ २ ३ २

तार	स
मध्य	प नि ध . म ग स रि प ध प म
मन्द्र	

च रा हि . गै . या . नं द नं .
१ २ . ३ २

तार		
मध्य	ग म ग ग	ग ग ग ऽ ग म प ऽ प ॰
मन्द्र		

. . द न च रा हिं आ . . नं

१ २ ३

तार		
मध्य	ध प म ग म ग ग ॰ ऽ	ऽ ग म प ऽ
मन्द्र		

द नं . . . द न आ . .

२ १ २

तार	
मध्य	म प ध ऽ प ॰ ध प म ग म ग ग ॰ ऽ
मन्द्र	

. . . नं द नं . . . द न

३ २

तार	सु
मध्य	गु मु पु ४ मु पु धु ४ पु धु ४ नि धु पु मु
मन्द्र	

आ . . . .
१ २

तार		
मध्य	गु प . धु पु मु गु मु गु गु . ४	गु मु पु ४ मु
मन्द्र		

. नं द नं . . . द न आ . . .
३ २ १

तार	रि सु
मध्य	पु धु ४ पु धु ४ नि ४ धु नि ४ नि धु प
मन्द्र	

. . . . नं
२ ३

तार		
मध्य	ध प म ग म ग ग • ४	ग म प ध ४ नि
मन्द्र		

द नं . . . द न . आ . . .

२ १ २

तार	
मध्य	ध प म ग रि ग ४ प • ध प म गमगग • ४
मन्द्र	

. . . . नं द नं . . . द न

३ २

तार	स रि स
मध्य	ग म प ध ४नि ४ प ध नि ४नि ध
मन्द्र	

आ . . . .

१ . २

तार		
मध्य	प म प • ध प म गम गग • ऍ	ग ग म रि
मन्द्र		

. . नं द नं . . . द न   च रा हि ग

३   २   १   २

तार	
मध्य	ग म ग रि स • ऍ ॰ ग म प ध ॰ नि
मन्द्र	

. . . या .   . . .

३ २

तार	स	रि ग स रि ग म ग रि स
मध्य	प ध	
मन्द्र		

. . . .

१   २

तार	
मध्य	ॅनि धु पु मु गु रि सु प़ • ध़ पु मु गु मु
मन्द्र	

. . . . नं द्र नं . . .

३ २

तार		
मध्य	ग़ गु • ॅ	ग़ ग़ म़ ॅ गु मु पु धु ॅ नि
मन्द्र		

द्र न च रा हि . आ . . . .

१ २ ३

तार	सु रि गु सु रि गु मु पु गु	मु पु धु
मध्य	पु धु	
मन्द्र		

. . . .

२ १

तार	प म ग रि स
मध्य	४ नि ध प म ग रि स ४
मन्द्र	

. . . .
२

तार	
मध्य	प . ध प म ग म ग ग . ४ | ० प ध प
मन्द्र	

नं द नं . . . द न . नं द नं
३ २ १ २

तार	
मध्य	म ग म ग ग . ४ ० प ध प म ग म ग
मन्द्र	

. . . द न नं द नं . . . द
३ . २

तार		
मध्य	ग . ग	ग ग म रि ग म ग रि स .
मन्द्र		

न   च रा हि गै . . . या .
१   २

तार		
मध्य	प . ध प म ग म ग ग . ग	ग ग म
मन्द्र		

नं द नं . . . द न   च रा हि
३ २   १

तार		
मध्य	रि ग म ग रि स . प . म प म	ऽ ग
मन्द्र		

गै . . . या . नं द नं द . न
२ ३ २ १

तार	
मध्य	प स ग प . ध प म ग म ग ग . ४
मन्द्र	

च रा हि नं द नं . . . द न
२ ३ २

तार	
मध्य	ग ग म रि ग म ग रि स . प . ध प म
मन्द्र	

च रा हि गै . . . या . नं द नं .
१ २ २ २

तार		स स . ४
मध्य	ग म ग ग	ग म ध नि नि
मन्द्र		

. . द न म द न मो ह न को
३ . २

तार	सु Y • सु सु	सु
मध्य	नि नि धु	पु धु
मन्द्र		

ध्यान् । । आ . . . . | . .
१ २ ३ २   १

तार	रि गु मु गु रि सु
मध्य	Y नि धु पु मु गु Y
मन्द्र	

. . . . . | . . . . .
२

तार	सु सु • Y	
मध्य	गु सु धु नि नि	नि
मन्द्र		

म द न मो ह न को   ध्या
३   २   १

तार	स रि स
मध्य	नि नि ४ नि ध ग म
मन्द्र	

न ध रे . . जो . म द

२ ३

तार	स स • ४	स ग
मध्य	ध नि नि	नि
मन्द्र		

न मो ह न को ध्या . .

२ १

तार	स ग म ग म प म ग रि स म ग रि
मध्य	नि
मन्द्र	

न . . ध . . रे . . . म द न .

२ ३

तार	सं	सं सं
मध्य	४ नि ध ध	नि नि नि
मन्द्र		

. मों ह न म द न मों ह
२ १ २

तार	सं . ४	सं सं . ४
मध्य	ग म ध नि	नि
मन्द्र		

न म द न मो ह न कों
३ २

तार	सं गं मं पं पं मं गं रिं सं
मध्य	४ नि ४ नि
मन्द्र	

। आ . . . .
१ २ ३

तार	स रि ग ग ग रि ग प प स
मध्य	ध प ध
मन्द्र	

. . . . . | . . . .

१

तार	ग रि स स रि ग ग ग
मध्य	ᛘ नि ध प ध
मन्द्र	

| . . . .

२   ✻°

तार	ग रि स स स • ᛘ
मध्य	ᛘनि ध ग स ध नि नि
मन्द्र	

. . . . . म द न मो ह न को

२   ३ . २

तार		
मध्य	प • ध प म ग म ग ग • ४	स ग म
मन्द्र		

नं द नं • • • द न ।
३ २ १

तार	
मध्य	प ऽ ४ ध प म प ग म ग • ४ ४ नि ध
मन्द्र	

। ।
२ ३

तार		स रि स
मध्य	प ध म प ग म ग • ४	४ नि
मन्द्र		

। ।
२ १

तार		
मध्य	ग ग ग ग	ग म म म म म म म प
मन्द्र		

१ २

तार	
मध्य	प प प प प प ध ध ध ध ध ध ध नि नि
मन्द्र	

३ २

तार	स स	स रि रि रि ग ग ग म म
मध्य	नि	
मन्द्र		

१ २

तार	म प प प म म ग ग रि रि स स
मध्य	४ नि
मन्द्र	

। ।
३ २

तार		
मध्य	४ नि ध ध प प म	म ग ग रि रि
मन्द्र		

।
१

तार	स ४
मध्य	स ४ ग म प ध नि प • ध प म
मन्द्र	

नं द नं •
२ • ३ २

*

तार		
मध्य	ग म ग ग • ४	ग ग म रि ग म ग रि
मन्द्र		

. . द् न च रा हि ये . . . या
१ २

तार	स स • ४
मध्य	स • ४ ग म ध नि नि
मन्द्र	

. म द् न मो ह न को
३ २

तार	स रि स
मध्य	नि नि नि ४ नि ध • ४
मन्द्र	

ध्या न ध रे . . जो .
१ २

तार	सु सु • ४	स • १
मध्य	गु मु धु नि नि	
मन्द्र		

म द न मो ह न को ध्या

३ २ १

तार	सु सु सु
मध्य	धु नि धु नि धु नि धु नि
मन्द्र	

। ।

२ ३

तार	सु रि सु सु रि गु रि सु
मध्य	४ नि धु नि
मन्द्र	

।

२

तार	रि सं	सं रि ग म ग रि
मध्य		Y नि ध नि
मन्द्र		

१	३

तार	सं रि सं सं रि ग म प म
मध्य	Y नि ध नि
मन्द्र	

३

तार	ग म ग रि सं रि सं
मध्य	Y नि ध Y नि ध
मन्द्र	

२

तार	रि सु रि ग सु सु
मध्य	प ध ध नि नि
मन्द्र	

. र पु री सों . . जा . क छु
२

तार	रि . रि सु सु
मध्य	ध ४ नि प ध ध ध प ध
मन्द्र	

ल . न न दे न ध नि य ह ब्रि ज
१ २

तार	सु सु
मध्य	४ नि ४ नि ध प म ग ४ प ध
मन्द्र	

बा सी न के रे . णू ब्रि ज बा
३ . २

तार		सं
मध्य	४नि ४नि ध	प म ग ४ प ध ४नि ४नि
मन्द्र		

सि न के रे . णु त्रि ज या म्नि न
१ २

तार	
मध्य	ध प म ग ४ प . ध प म ग म ग ग . ४
मन्द्र	

के रे . णु नं दनं . . . दन
३ २

समाप्त

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न. ॥

राग प्रवेश.

भाग ५.

संपादक, मुद्रक, और प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय—बंबई द्वारा रचित.

सन १९२२.

द्वितियावृत्ति] प्रती ५०० [मुल्य १२ आना.

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, सँडहर्स्ट रोड-बंबई.

☞ हमारे यहां की लेखनपद्धति (नोटेशन सिस्टम)
समझने के लिये संगीत तत्वदर्शक को पढ़ना चाहिये.

प्रस्तावनिका.

राग प्रवेश यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है की जिनको थोडा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरु किया है. यह पुस्तक अनेक भागोमें पूर्ण होगा उन भागोंकी संख्या अभी नियत नही कर सक्ते हैं. इसके सब भाग यदि कंठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सहज होगा इसके नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है.

इस पंचम भागमें केवल **भैरव रागमें** एक गीत तीन तालका प्रकाशित किया है और इसमें **प्लावित, स्फुरित, आंदोलित, त्रिभिन्न, गद्गदित** इत्यादि गमक लिखी हैं. इस लिए निवेदन है की जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो तो उसके लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी. परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यहांके अंकन रीतिको (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए.

॥ इति शुभम् ॥

भवदीय,

विष्णु दिगंबर.

टेलिफोन नं. ५९३१.

शिक्षण.

हेड ऑफिस:—सॅन्डहर्स्ट रोड, बम्बई.

ब्रँच ऑफिसें:—लाहोर, नागपूर, नाशिक, कोल्हापूर.

इस विद्यालय में गायनवादन (तबला, हारमोनियम, दिलरुबा, सतार, फिडल वगैरे) सीखने की व्यवस्था है शिक्षण का समय प्रातःकाल (स्टँ. टा.) ७ से ९, और सायंकाल को ४ से ८ तक रखा गया है.

इस के अतिरिक्त कुलीन स्त्रियों तथा कन्याओं को सीखलाने के लिये खास प्रबंध है.

घर बैठे शिक्षण:—जिन सज्जन पुरुषोंके आपने घरमें संगीत शिक्षण लेनेकी इच्छा होय उनके लिये व्यवस्था हो सक्ती है.

पुस्तकें:—गायनवादनकी उपयुक्त किताबें हमारे यहां मिलती हैं.

म्युझिकल पार्टी:—विवाह और शुभ अवसर पर गायन-वादन की पार्टी मिलती है.

मॅनेजर,

गांधर्व महा विद्यालय, बम्बई.

राग भैरव

इस रागमें रिषभ और धैवत अतिकोमल बाकीके सब शुद्ध स्वर.

आलाप

तार	स
मध्य	स रि ग म प ध नि नि ध • प म ग रि •
मन्द्र	

ता . न न न त त र न . री द न .

तार	
मध्य	ऽ स ऽ स रि • ४
मन्द्र	नि

ना त न त

तीनताल.

तार		
मध्य	ग म प म ग रि ऽ ऽ स रि • ४	म ऽ • ४ म
मन्द्र		

प्र भू दा . . . ता • . रे न

३ २ १ २

तार		
मध्य	प म ग रि ऽ ऽ स रि · ५	नि ध · ध प ग
मन्द्र		

दा . . . . ता . दा . ता रे .
३ २ १ २

तार		
मध्य	ग म प म ग रि ऽ ऽ स रि · ५	ग म प ध
मन्द्र		

प्र भु दा . . . . ता . दा . . .
३ २ १

तार	
मध्य	ध प ग · ५ ग म प म ग रि ऽ ऽ स रि · ५
मन्द्र	

ता रे . प्र भु द्रा . . . . ता .
२ . ३ २

तार	रि सु
मध्य	नि धु पु ४ गु मु पु मु गु रि ऽ ऽ सु रि . ४
मन्द्र	

दा ता . रे . प्र भु दा . . . . ता .
१ २ ३ २

तार	सु रि सु
मध्य	ग म प ध नि ध प म ग गु मु पु मु
मन्द्र	

दा . . . . . . ता . रे . . . प्र भु दा .
१ २ ३

तार		रि सु
मध्य	गु रि ऽ ऽ सु . ४	नि धु पु पु धु नि
मन्द्र		

. . . ता दा ता . रे . न क रे
२ १ २ ३

तार	स॒ ॰ ९	सॖ सॖ सॖ सॖ
मध्य	नि॒ धॖ ॰ म॒ म॒ म॒ नि॒ धॖ ॰	निॖ निॖ
मन्द्र		

. . . जो तू चा हे . अ न ध न ल छि

२ ३ २ १ २

तार	सॖ ॰ ४ रि	स॒ ॰ ९
मध्य		नि॒ धॖ ॰ नि॒ धॖ ॰ म॒ म॒ म॒ नि॒ धॖ ॰
मन्द्र		

मी ई . . . . . . जो तू चा हे .

३ २ १ २ ३ २

तार	सॖ सॖ सॖ सॖ सॖ ॰ ४ सु रि ऽ सॖ ॰ ४
मध्य	निॖ निॖ धु नि॒
मन्द्र	

अ न ध न ल छि मी ई . . . . .

१ २ ३ २

तार	
मध्य	रि ग प म ग रि ऽ स · ४ ग म प म ग रि
मन्द्र	

आ . . . . प्र मू दा . . .
१ २ ३

तार		
मध्य	ऽ ऽ स रि · ४	स रि ग म प ध प ग · ४
मन्द्र		

. . ता . आ . . . .
२ १ २

तार		
मध्य	ग म प म ग रि ऽ ऽ स रि · ४	स रि ग म
मन्द्र		

प्र मू दा . . . . . ता . आ . . .
३ २ १

तार	सु सु रि गु मु मु गु रि
मध्य	रि गु मु पु धु नि
मन्द्र	

. . . .

२

तार	सु
मध्य	नि धु पु मु गु रि ऽ सु . ॰ गु मु पु मु गु
मन्द्र	

. . . . प्र भू सा . .

१ २ ३

तार		
मध्य	रि ऽ ऽ सु रि . ॰	गु मु पु मु गु रि ऽ ऽ सु
मन्द्र		

. . . ता . प्र भू दा . . . . . ता

२ ३ २

तार		
मध्य	रि • ४	ग म • ग म • ग म प प • ४ ग म
मन्द्र		

• दा • ता • • • • रे न क

१ २ ३

तार		
मध्य	म ध नि ध I ध ध • ४	ध प ध म प म प
मन्द्र		

रे • • • • म न जी व न घ डी प ल

२ १ २

तार		
मध्य	ग म प म ग रि ऽ I स रि • ४	म ऽ • ४ ग
मन्द्र		

छि न प्र भु दा • ता • रे • प्र

३ २ १ २

तार		
मध्य	नि ध प म प ग म रि स • ४	म • ४ स रि
मन्द्र		

ल छि न प्र भु दा • • ता रे आ •
३ २ १

तार	
मध्य	ग म प ध प म ग म प प म ग रि ऽ ऽ
मन्द्र	

• • • • • • • प्र भू दा • • • • •
२ ३ २

तार		
मध्य	स • ४	स रि ग म प ध नि नि ध प म ग
मन्द्र		

ता आ • • • • • • • • • • •
१ २

तार	स स रि म ग रि स
मध्य	प ध नि निधपमम
मन्द्र	

. . . . प्र भू

२ ✻ ३

तार		
मध्य	प प म ग रि ऽ I स रि . ४	ग म प म
मन्द्र		

दा . . . . . . ता . प्र भू दा .

२ ३

तार		
मध्य	ग रि ऽ ऽ स रि . ४	म ऽ . ४ I म म म नि
मन्द्र		

. . . . . ता . रे . जो तू चा हे

२ १ २ ३ २

तार		स स स स स .ऽ
मध्य	ध .	नि नि म म म नि ध.
मन्द्र		

. अ न घ न ल छि मी जो तू चा हे .

. १ २ ३ २

तार	स रि स सऽऽ
मध्य	नि ध प म ग ग म प ध नि
मन्द्र	

आ . . . .

१ २

तार		स स रि
मध्य	म म म नि ध .	ध नि ध नि ध नि
मन्द्र		

जो तू चा हे . आ . . . .

२ २ . १ २

तार	स रि ग रि स ४	स रि
मध्य	म म म नि ध •	
मन्द्र		

• • • • • • जो तू चा हे • आ •

३ २ १

तार	स
मध्य	नि ध नि ध प म ध प म ग रि स ४ म
मन्द्र	

• • • • • • • • • • • • • जो

२ ३

तार		
मध्य	म म नि ध •	स रि ग म प ४ ग म पधनि ४
मन्द्र		

तू चा हे • आ • • • • • • • •

२ १ २

तार	स रि ४ स ग म प प म ग रि
मध्य	प ध नि नि
मन्द	

. . . .

३ २

तार	स	स रि रि स
मध्य	नि ध प म	ग म प ध नि
मन्द		

. . . .

१ २

तार		
मध्य	नि ध प म ग रि स म म म नि ध .	ध नि
मन्द		

. . . . जो तू चा हे . अ न

३ २ १

तार	स रि रि स .४	
मध्य	नि म म म नि ध .	ध नि
मन्द्र		

ध न ल छि मी जो तू चा हे . अ न
२ ३ २ १

तार	स म ग रि रि स स .४
मध्य	म म म नि ध .
मन्द्र	

ध न . . ल छि मी जो तू चा हे .
२ ३ २

तार	रि स स स ४
मध्य	नि ध प म ग ग म प ध नि
मन्द्र	

जो तू . चा . हे . अ न ध न ल छि मी
१ २

तार		
मध्य	म म म नि ध .	म म म नि ध . नि नि
मन्द्र		

जो तू चा है . जो तू चा है . अ न

३ २ १ २

तार	स स स स स स स स स रि रि
मध्य	ध ध
मन्द्र	

ध न ल छि मी दू ध पू त ब हु ते .

२ २

तार	स स	
मध्य	नि नि ध . प	म नि ध . ध प म प ग
मन्द्र		

. . . रा . . वा कों . ना म भ ज गु

१ २

तार	
मध्य	म म रि स ग म म ग रि . ग म म ग
मन्द्र	

ह को ना म प्र भु दा ता . प्र भु दा ता

३ २

तार		
मध्य	रि . ग म म ग रि .	म ४ ग म प ध नि
मन्द्र		

प्र भु दा . ता . ऐ . . . . .

१

तार	स रि रि स
मध्य	नि ध प म ग रि स ग म प म
मन्द्र	

. . . . प्र भू दा .

२ ३

तार		
मध्य	गु रि ऽ ऽ सु रि • ४	सु • ४ गु मु पु धु नि
मन्द्र		

. . . . ता . रं दा . . . .

२ १ २

तार	सु सु	सु • सु • ४
मध्य	नि ध • ५ ५ नि धु •	नि धु नि
मन्द्र		

. . . ना . . . . रं न क

३ २ १ २

तार	सु गु रि • ऽ रि सु • ४ रि मु ग • पु मु गु रि
मध्य	
मन्द्र	

रे . . . म न जी . . . च . .

३ २

तार	१ सु • ४ सु गु रि • १ रि सु • ४ सु
मध्य	नि
मन्द्र	

न घ री . प ल छी न

१ २ २

तार		
मध्य	धु • १ • ४ नि धु पु धु	पु मु पु मु गु मु • ४
मन्द्र		

• प्र भू दा . . . ता . . रे

२ १ २

तार		
मध्य	गु मु पु मु गु रि १ ४ सु रि • ४	धु धु पु
मन्द्र		

प्र भु दा . . . ॥ ता . . . .

३ २ १

तार	
मध्य	ध ध प म ग म प ध ध प म ग रि स · ऽ
मन्द्र	

. . . .

२ ३

तार		
मध्य	ग म प म ग रि ऽ I स रि · ऽ	ध ध प ध
मन्द्र		

प्र भू दा . . . । ना . . . . .

२ १

तार	
मध्य	ध प म ग ग म प ध ध प प ध ध प म ग
मन्द्र	

. . . .

२ ३

तार	
मध्य	स स स रि स स रि स स
मन्द्र	नि ध नि नि ध नि

. . . .
२ ३

तार		
मध्य	स रि स स ० ऽ स रि म ग	रि स ऽ प ध
मन्द्र	नि	

. . . .
२ १

तार	स रि स
मध्य	प म ग प म ग रि स ऽ नि ध नि
मन्द्र	

. . . .
२ . ३

तार		
मध्य	धु पु सु धु पु मु गु पु सु गु	रि सु ४ सु रि
मन्द्र		

२   १

तार	सु
मध्य	गु मु पु ॰ ऽ गु मु पु धु नि ॰ ऽ पु धु नि
मन्द्र	

२   ३

तार	रि ॰ ऽ सु रि गु मु पु पु मु गु रि सु	
मध्य		नि धु
मन्द्र		

२   १

गान्धर्व महा विद्यालय बम्बई।

क्रमिक (Series) पुस्तकें

विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर आज तक जो किताबे लिखे हैं उनके नाम और किंमत.

		भाग	रु.	आ.	पै.
ोदय संगीत.	(हिंदी)	१	०	२	०
,,	(मराठी)	१	०	४	०
ह्ला संगीत.	(हिंदी)	१–२	०	६	०
ीत तत्वदर्शक.	(हिंदी)	१	०	८	०
कित अलंकार	(हिंदी)	१	०	८	०
ीत बालप्रकाश उरदू और हिंदी.		१–३	२	४	०
ल्पालाप गायन.	(हिंदी)	१–४	५	०	०
ीत बालबोध	(हिंदी)	१–३	४	०	०
,,	(उरदू)	१	१	८	०
[illegible] प्रबंध.	(हिंदी)	१–१७	१७	०	०
यायामके साथ संगीत.	(हिंदी)	१–२	१	०	०
ंगीत प्रथम भाग १ ला राग बिहाग २ रा कल्याण ३ रा भूपाली ४ था भैरव ५ वा मालकंस.		...	१०	८	०
मृदंग और तबलेकी पुस्तक	(हिंदी)	...	१	०	०
ितारकी पुस्तक.	(हिंदी)	१–२	३	८	०

		भाग	रु.	आ.	पै.
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत(हिंदी)		१	१	०	०
भजनामृत लहरी.		१-५	२	८	०
राम गुणगान.	(मराठी)	१	१	०	०
होरी.	(हिंदी)	१	१	०	०
कर्नाटकी संगीत.	(कर्नाटकी)	१	१	८	०
राम नामावळी.	(हिंदी)		०	२	०
श्रीभक्त प्रेम लहरी.	(हिंदी)		०	२	०
भजनावली.	(हिंदी)		०	२	०
राष्ट्रीय संगीत.			०	४	०
परिषदेचे रीपोर्ट सन १९१८, १९१९, ते १९२०.			१	१२	०

रा. सुकथनकरकृत, (मराठी)

१ रामपद्यावली	५ श्रीराम सुमनावली
२ श्रीरामपद्यमाला	६ श्रीराम रत्नावली
३ रामगीतावली	७ श्रीराम गायनमाला
४ रामगुणावली	८ श्रीराम पद्यावली

९ रामभजनावली.

मॅनेजर,

गांधर्व महा विद्यालय.-मुंबई.

॥ श्रीगुरु दत्त प्रसन्न. ॥

भाग ६.

संपादक, मुद्रक, आणि प्रकाशक.

श्रीमान् पंडित विष्णु दिगंबर पलुस्कर.

गायनाचार्य, मास्टर ऑफ इंडियन म्युझिक, प्रिन्सिपॉल,

गांधर्व महा विद्यालय- बंबई द्वारा रचित.

सन १९२४.

द्वितीयावृत्ति] प्रती ५०० [मूल्य ८ आना

"गांधर्व महा विद्यालय" प्रेस, सँडहर्स्ट रोड-बंबई.

हमारे यहां के स्वरनावलि (नोटेशन सिस्टम्) को समझने के लिये संगीत तत्त्वदर्शक को पढ़ना चाहिये.

प्रस्तावनिका.

" राग प्रवेश " यह पुस्तक बनानेका मुख्य उद्देश यह है कि जिनको थोडा बहोत स्वरका और तालका ज्ञान हुआ हो उनके लिए किसी रागके गीतपर किसम किसमके तान आलाप तथा बोलतान लेनेमें सुगमता होवे इस लिए इस पुस्तकको प्रकाशित करना शुरु किया है यह पुस्तक अनेक भागोंमें पूर्ण होगा. उन भागोंकी संख्या अभी नियत नही कर सक्ते है. इसके सब भाग यदि कंठ हो जावे तो लगभग प्रचारके राग रागिणियोंका आलाप तान सहीत गाना सहज होगा. इस्के नामसेही प्रतीत होता है कि यह पुस्तक हरएक रागके विस्तारके क्रमका प्रकाशक है.

इस षष्ठ भागमें केवल बडहंस रागमें एक गीत तीन तालका प्रकाशित किया है और इसमें " प्लावित, स्फुरित, आंदोलित, त्रिभिन्न, गद्गदित " इत्यादि गमक लिखी है. इस लिए निवेदन है कि जिस किसीको गाना बजाना शीघ्रतासे साध्य करना हो तो उस्के लिए यह पुस्तक एक बहोत उपयोगी वस्तु होगी. परंतु समझनेके लिए पहिले हमारे यहांके अंकन रीतिको (नोटेशन सिस्टमको) अच्छी रीतिसे समझना चाहिए.

इति शुभम् ।

भवदीय,

विष्णु दिगंबर.

शिक्षण.

हेड ऑफिसः—सॅन्डहर्स्ट रोड,—बम्बई.

ब्रँच ऑफिसेंः—लाहोर, नागपूर, नाशिक, कोल्हापूर.

इस विद्यालय में गायनवादन (तबला, हारमोनियम, दिलरुबा, सतार, फिडल वगैरे) सीखने की व्यवस्था है शिक्षण का समय प्रातःकाल (स्टँ. टा.) ७ से ९ और सायंकाल को ३ से ९ तक रखा गया है.

इस के अतिरिक्त कुलीन स्त्रियों तथा कन्याओं को सीखलाने के लिये खास प्रबंध है.

घर बैठे शिक्षणः—जिन सज्जन पुरुषोंके आपने घरमें संगीत शिक्षण लेनेकी इच्छा होय उनके लिये व्यवस्था हो सकती है.

पुस्तकेंः—गायनवादनकी उपयुक्त किताबें हमारे यहां मिलती है.

म्युझिकल पार्टीः—विवाह और शुभ अवसर पर गायन-वादन की पार्टी मिलती है.

मॅनेजर,

गांधर्व महा विद्यालय, बम्बई.

राग बडहंस.

ह्या रागाला दोन गंधार दोन धैवत, शुद्ध व अतिकोमल, शुद्ध गंधार व अतिकोमल धैवताला खूण केली आहे फक्त निषाद अतिकोमल बाकीचे सर्व शुद्ध स्वर.

ताल तीनताल.

॥ जय जय रामकृष्ण हरी ॥

तार		
मध्य		स • स ४ १ रि प म ग ग ४ स
मन्द्र	१ ध नि	

जय जय रा म कृ ष्ण हा • • री
२ १ २ ३

तार		
मध्य	रि ग रि स रि ४ १ • ग • ग	म • म ५
मन्द्र		

• • • • • जय जय रा म
२ १

तार	
मध्य	९ स प म ग ग ४ रि स रि ० ४ ९ ० ग ० ग
मन्द्र	

कृ ष्ण हा . . री . . जय जय
१ ३ २

तार	
मध्य	म म ० ४ रि म ४ म प ४ ध प म ग रि ग
मन्द्र	

रा म जय . जय . . . रा . . म
१ २ ३

तार		
मध्य		स ० ९ रि प ग स रि ०
मन्द्र	९ ध नि	९ ध नि

कृ ष्ण हा री . रे . . जय जय
२ १ , २ ३ २

तार	
मध्य	स . स ५ १ रि प म ग ग ४ स रि ग रि
मन्द्र	

रा म कृष्ण हा . . री . . .

१ २ ३

तार		
मध्य	स रि ४	स . स ५ T १ ध ध नि .
मन्द्र	१ ध नि	

. . जय जय रा म जय जय रा

२ १ २ ३

तार		
मध्य	नि १ ध प ध ध	म म . ४ रि म ४ म प ५ ध
मन्द्र		

म जय . ज य रा म जय . जय . .

२ १ २ ३

तार		
मध्य	प म ग रि ग	स ० ९ रि प ग स
मन्द्र	९ ध नि	

. रा . . म कृ ष्ण हा री . रे .
२ १ २ ३

तार		
मध्य	रि ० ५	स ० स ५ ९ रि प म ग
मन्द्र	९ ध नि	

. जय जय रा म कृ ष्ण हा .
२ १ २

तार		
मध्य	ग ५ स रि ग रि स रि ५ ५	स रि ग रि ग
मन्द्र		

. री . . . . . आ . . . .
३ २ १ २

तार		सं ऽ
मध्य	म ग म प म प ध प ध नि ध	नि
मन्द्र		

३ ४ १ २

तार	रें सं	सं
मध्य	नि ऽ ऽ	नि ध ऽ ऽ नि ध
मन्द्र		

कृ ० ष्ण हा ० री जय ०

३ ४ १ २ ३

तार		
मध्य	प ऽ ऽ	ध ध म ऽ ऽ प प ग ऽ ऽ
मन्द्र		

जय रा ० म रा ० म

४ १ २ ३ ४

तार		
मध्य	नि ध प म ग रि स	ध ध ध ध ध ध ध ध
मन्द्र		

२ १ २

तार		
मध्य	प ध प नि ध प म ग	ग रि रि ग म प ध
मन्द्र		

३ २ १ २

तार	सं रिं गं रिं सं
मध्य	नि नि ध प म ग रि स ऽ ०
मन्द्र	

३ २

तार	
मध्य	रि ग म ग ग • ९ स स • ९ ९
मन्द्र	नि नि

जय . . . राम जय जय . .

तार	
मध्य	фग фग фग रि фग म प प म фग म२ • ४
मन्द्र	

कृ ष्ण हा . री . . . . . .

तार		
मध्य	रि म ४ म प नि ४ध २ • ४	४ध प ४ प म४
मन्द्र		

जय . जय . . . .

तार		
मध्य	म ग ४ रि रि ० ४	स १ ० ४ रि प ग
मन्द्र	१ध नि	

. . रा म कृष्ण हा री . रे

✳ २ १ ३ ३

तार		स स
मध्य	स रि ० ४	नि नि ध नि ध प ध प म प
मन्द्र		

. . . .

१ २ ३ २

तार		
मध्य	म प म प ०ग म ०ग म ०ग म म म	रि ग
मन्द्र		

. . . .

१ २ ३ . २ १

तार		
मध्य	रि ग रि रि स स स स स	स रि म प ध
मन्द्र	नि	

. . . . मा . . . .
२ ३ ४ १

तार	स रि ग रि स
मध्य	नि नि ध प म ग रि स
मन्द्र	९ ध नि

. . . . कृ ष्ण
२ ३ ४ *

तार	
मध्य	स ९ . ४ रि प ग स रि .
मन्द्र	९ ध नि

हा री . रे . . जय जय
१ २ ३

तार		स स
मध्य	म प ध प ध नि ऽ ऽ	नि नि ध नि
मन्द्र		

२ ३ २ १ २

तार		
मध्य	ध प ध प म प	म प म प ग म ग म
मन्द्र		

३ २ १ २ ३

तार		
मध्य	ग म म म	रि ग रि ग रि रि स स स
मन्द्र		नि

२ १ २ ३ २

तार		
मध्य	स स	स रि रि ग ग म म प प ध ध नि नि
मन्द्र		

. . . .

१ २ ३ ०

तार	स स	
मध्य	नि	नि ध ध प प म म ग ग रि रि स
मन्द्र		

. . . .

*१ २ ३

तार		
मध्य		ग ग ग . ग ग रि ग म ग
मन्द्र	० ध नि	

कृ ष्ण जय जय रा म जय जय . . .

२

तार	
मध्य	ग . ग ϕग ϕग ϕग . ϕग म म म . म प
मन्द्र	

रा म जय जय रा . म जय जय रा म जय

तार	
मध्य	प प . प ध ध ध . ध नि नि नि . नि
मन्द्र	

जय रा म जय जय रा म जय जय रा म

तार	स स स . स स स रि
मध्य	नि नि . नि नि
मन्द्र	

जय जय रा म जय जय . . रा म जय

तार	सृ
मध्य	धु नि धृ • धृ धृ पु धु नि पृ • पृ पृ मु
मन्द्र	

जय . . रा म जय जय . . रा म जय जय

तार	
मध्य	पु धृ मृ • मृ मृ गु मु पृ गृ • गृ गृ रि
मन्द्र	

. . रा म जय जय . . रा म जय जय

तार	सृ • सृ
मध्य	गु मृ रि • रि रि सु रि गृ सृ • सृ
मन्द्र	

. . . रा म जय जय . . रा म रा म

तार	
मध्य	ग रि ग म ग म प ऽ ऽ स रि ग रि ग
मन्द्र	

. . . . आ . . . .

तार	
मध्य	म ग म प म प ध ऽ ऽ स रि ग रि ग
मन्द्र	

. . . . आ . . . .

तार	
मध्य	म ग म प म प ध प ध नि ऽ ऽ स रि
मन्द्र	

. . . . आ .

तार	स़
मध्य	नि़ नि़ ध़ प़ म़ ग़ रि़ स़ ऽ ध़ नि़ ध़
मन्द	

आ . . . .

तार	
मध्य	म़ प़ ग़ रि़ स़ . ऽ स़ रि़ म़ प़ नि़ ध़ प़ ध़
मन्द	

. . . . . . आ . . . .

तार	स़ रि़ रि़ स़ रि़ म़ म़ ग़ रि़ स़
मध्य	नि़ नि़
मन्द	

. . . .

तार	म • म म ग रि स
मध्य	रि • ग नि ध प म
मन्द्र	

रा म रा म . . . .

तार	स
मध्य	ग रि स स रि म प नि ध प ध नि
मन्द्र	

. . . .

तार	रि रि स रि म म ग रि स
मध्य	नि ध प म
मन्द्र	

. . . .

तार	
मध्य	ग़ रि स़ ऍ
मन्द्र	प ध़ नि

. . . कृ ष्ण

२

समाप्त

गान्धर्व महा विद्यालय बम्बई।

क्रमिक (Series) पुस्तकें

स विद्यालय में पं० विष्णु दिगंबरजीनें संगीत विद्यापर आज तक जो किताबें लिखे हैं उनके नाम और किंमत

		भाग.	रु.	आ.	पै.
ालोदय संगीत	(हिंदी)	१	०	२	०
,,	(मराठी)	१	०	४	०
हिला संगीत	(हिंदी)	१–२	०	६	०
ंगीत तत्वदर्शक.	(हिंदी)	१	०	८	०
ाकित अलंकार	(हिंदी)	१	०	८	०
ंगीत बालप्रकाश उरदू		...	...		...
हिंदी, मराठी, और गुजराथी		१–३	२	४	०
ाल्या राग गायन.	(हिंदी)	१–४	५	०	०
ंगीत बालबोध.	(हिंदी)	१–३	४	०	०
,,	(उरदू)	१	१	८	०
ाग प्रवेश	(हिंदी)	१–१७	१७	०	०
्यायामके साथ संगीत.	(हिंदी)	१–२	१	०	०
संगीत प्रवेश भाग १ ला राग बिहाग २ रा		...	...		...
कल्याण ३ रा भूपाली ४ था भैरव ५ वा		...	...		...
मालकंस.		...	१०	८	०
ृदंग और तबलेकी पुस्तक	(हिंदी)	...	१	०	०
ितारकी पुस्तक.	(हिंदी)	१–२	३	८	०

		भाग	रु.	आ.	पै.
नारदीय शिक्षा भाषा टीका समेत	(हिंदी)	१	१	०	०
भजनामृत लहरी.		१-५	२	८	०
राम गुणगान.	(मराठी)	१	१	०	०
होरी.	(हिंदी)	१	१	०	०
कर्नाटकी संगीत.	(कर्नाटकी)	१	१	८	०
भारतीय संगीत लेखनपद्धति	(हिंदी)			२	०
राम नामावली.	(हिंदी)		०	२	०
श्रीभक्त प्रेम लहरी.	(हिंदी)		०	२	०
भजनावली.	(हिंदी)		०	२	०
राष्ट्रीय संगीत.			०	४	०
परिषदचें रीपोर्ट सन. १९१८, १९१९, ते १९२०			१	१२	०

रा. सुकथनकरकृत. (मराठी)

---

१ रामपद्यावली. ५ श्रीराम सुमनावली
२ श्रीरामपद्यमाला. ६ श्रीराम रत्नावली
३ रामगीतावली. ७ श्रीराम गायनमाला.
४ राममुक्तावली ८ श्रीराम पद्यावली

प्रत्येकी ८ आणे.

९ रामभजनावली.

मॅनेजर,

गांधर्व महा विद्यालय, मुंबई.